प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 1 (2019-20)

हिन्दी-ब (कोड-85)

कक्षा-9

निर्धारित समय- 3 घंटे **अधिकतम अंक- 80**

सामान्य निर्देशः-

1. इस प्रश्न-पत्र में चार खंड हैं- क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

खण्ड-क (अपठित अंश) 15

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 9

शिक्षा का अर्थ है किसी भी प्रकार का प्रशिक्षण। यह प्रशिक्षण साक्षरता से लेकर जीवन के किसी भी रचनात्मक परिवेश के अन्तर्गत हो सकता है। जब हम शिक्षा तथा व्यवसाय की बात करते हैं, तब बात आधुनिक शिक्षा प्रणाली पर जाकर केंद्रित होने लगती है। वर्तमान में भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए ऐसे शिक्षण की आवश्यकता होती है, जिसके लक्ष्य को प्राप्त करने के बाद युवक-युवतियाँ अपने व्यवसाय के चयन में किसी भी प्रकार की कठिनाई का अनुभव न करें। आज की शिक्षा प्रणाली में यही खामियाँ हैं कि उसकी सीमाएँ मात्र पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित हैं। वह किसी भी स्तर पर रचनात्मक व्यावहारिक ज्ञान का द्वार नहीं खोलती, नहीं खोल पाती।

1. शिक्षा का क्या अर्थ है। 2

उत्तर : शिक्षा का अर्थ किसी भी प्रकार का प्रशिक्षण लेना है। यह प्रशिक्षण साक्षरता से लेकर जीवन के किसी भी रचनात्मक परिवेश के अन्तर्गत हो सकता है।

2. वर्तमान शिक्षा प्रणाली की क्या कमी है? 2

उत्तर : वर्तमान शिक्षा प्रणाली की कमी यह है कि ज्ञान व्यावहारिक न होकर पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित हो गया है।

3. वर्तमान में युवक-युवतियाँ भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किस प्रकार की शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं? 2

उत्तर : वर्तमान में युवक-युवतियाँ भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए ऐसी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं जिससे उनको अपने व्यवसाय को प्राप्त करने में कठिनाई न हो।

4. प्रशिक्षण किस-किस क्षेत्र से सम्बन्धित हो सकता है?2

उत्तर : प्रशिक्षण साक्षरता से लेकर जीवन के किसी भी रचनात्मक परिवेश से सम्बन्धित हो सकता है।

5. ग़द्यांश का उचित शीर्षक दीजिए। 1

उत्तर : शिक्षण और प्रशिक्षण।

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 6

फिर से नहीं आता समय जो एक बार चला गया,
जग को कहो बाधा-रहित कब कौन काम हुआ भला?
'बहती नदी को लाँधकर उस पार मैं इसके चलूँ'
इस सोच में बैठा पुलिन पर, पार जा सकता भला?
किस रीति से क्या काम, कब करना, बनाकर योजना,
मन में लिए आशा प्रबल, दृढ़ जो, वही बढ़ जाएगा।
उसको मिलेगा तेज, बल, अनुकूलता सब ओर से,
वह कर्मयोगी, वीर, अनुपम साहसी सुख पाएगा।
यह वीरभोग्या, जो ह्रदयतल में बनी वसुधा सदा,
करती रही आह्वान है, युगवीर का, पुरूषत्त्व का।
कठिनाइयों में खोजकर पथ, ज्योतिपूरित जो करे,
विजयी वही होता धरणि-सुत, वरण कर अमरत्व का।

1. कवि के अनुसार आगे कौन बढ़ पाएगा? 2

उत्तर : कवि के अनुसार वही व्यक्ति आगे बढ़ पाएगा जो योजना बनाकर कार्य करेगा और मन में आशावान होगा।

2. कवि ने बाधा-रहित काम के लिए क्या उदाहरण दिया है? 2

उत्तर : कवि ने बाधा-रहित काम के लिए उदाहरण दिया कि नदी को पार करने के लिए किनारे पर बैठे रहने से काम नहीं होता।

3. जीवन में विजयी कौन होता है? 2

उत्तर : जीवन में विजयी वही व्यक्ति होता है जो कठिनाइयों में भी रास्ते खोज लेता है।

अथवा

लोहे के पेड़ हरे होंगे, तू गान प्रेम का गाता चल,
नम होगी यह मिट्टी जरूर, आँसू के कण बरसाता चल।
सिसकियों और चीत्कारों से, जितना भी हो आकाश भरा,
कंकालों का हो ढेर, खप्परों से चाहे हो पटी धरा।
आशा के स्वर का भार, पवन को लेकिन, लेना ही होगा,
जीवित सपनों के लिए मार्ग मुर्दों को देना ही होगा।
रंगों के सातों घट उँड़ेल, यह अँधियारी रंग जाएगी,

उषा को सत्य बनाने को जावक नभ पर छितराता चल।
आदर्शों से आदर्श भिड़े प्रज्ञा प्रज्ञा पर टूट रही,
प्रतिमा प्रतिमा से लड़ती है, धरती की किस्मत फूट रही।
आवर्तों का है विषम जाल, निरूपाय बुद्धि चकराती है,
विज्ञान–यान पर चढ़ी हुई सभ्यता डूबने जाती है।
जब–जब मस्तिष्क जयी होता, संसार ज्ञान से चलता है,
शीतलता की है राह हृदय, तू यह संवाद सुनाता चल।

1. दुःख और निराशा के वातावरण में मनुष्य का क्या कर्त्तव्य होना चाहिए? स्पष्ट कीजिए।

   उत्तर : दुःख और निराशा के वातावरण में मनुष्य को अपना कर्त्तव्य समझकर आशा का संचार करना चाहिए। कहने का तात्पर्य यह है कि कितना भी दुःख क्यों न हो, किन्तु हमें आशा को अपने जीवन से बाहर नहीं निकालना चाहिए।

2. "प्रेम की भावना से इस भौतिक–बौद्धिक संसार पर विजय पाई जा सकती है" यह भाव किस पंक्ति से व्यंजित हो रहा है?

   उत्तर : "प्रेम की भावना से इस भौतिक–बौद्धिक संसार पर विजय पाई जा सकती है" यह भाव "शीतलता की है राह हृदय, तू यह संवाद सुनाता चल।" पंक्ति से व्यंजित हो रहा है।

3. "नम होगी यह मिट्टी जरूर" कहकर कवि किस ओर संकेत कर रहा है?

   उत्तर : "नम होगी यह मिट्टी जरूर" कहकर कवि इस ओर संकेत कर रहा है कि प्रेम के बल पर शुष्क हृदयों में भाव भरे जा सकते हैं।

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 15

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए। 2

व्यर्थ, समर्पित, विकसित।

उत्तर : **व्यर्थ–** व् + य् + अ + र् + थ् + अ
समर्पित– स् + अ + म् + अ + र् + प् + इ + त् + अ
विकसित– व् + इ + क् + अ + स् + इ + त्

4.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर अनुनासिक का प्रयोग कीजिए। 1

   अगूठा, रस्सिया, झाकते।

   उत्तर : **अगूठा–** अँगूठा
   रस्सिया– रस्सियाँ
   झाकते– झाँकते

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग कीजिए। 1

   असख्य, पजाब, भयकर।

   उत्तर : **असख्य–** असंख्य
   पजाब– पंजाब
   भयकर– भयंकर।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ता का प्रयोग कीजिए। 1

जमीन, गिरफ्तार, कमजोर।

उत्तर : **जमीन–** ज़मीन
गिरफ्तार– गिरफ़्तार
कमजोर– कमज़ोर।

6.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानकर लिखिए। 1

   गरमाहट, ऊपरी, देखकर।

   उत्तर :

	मूल शब्द	प्रत्यय
1.	गरम	'आहट'
2.	ऊपर	'ई'
3.	देख	'कर'

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानकर लिखिए। 1

   अवगुण, प्रवचन, गैरकानूनी।

   उत्तर :

	उपसर्ग	मूल शब्द
1.	अव	गुण
2.	प्र	वचन
3.	गैर	कानूनी

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में मूल शब्द के साथ जुड़े उपसर्ग और प्रत्यय को अलग कर लिखिए। 1

   सफलता, अनियमित, निर्भयता।

   उत्तर :

	उपसर्ग	मूल शब्द	प्रत्यय
1.	स	फल	ता
2.	अ	नियम	इत
3.	निर्	भय	ता

7.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार शब्दों में सही संधि–विच्छेद कीजिए। 4

   देवर्षि, प्रत्याशा, दिग्गज, अत्यधिक, प्रतीक्षालय।

   उत्तर : **देवर्षि–** देव + ऋषि
   प्रत्याशा– प्रति + आशा
   दिग्गज– दिक् + गज
   अत्यधिक– अति + अधिक

प्रतीक्षालय– प्रतीक्षा + आलय

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन विराम चिह्नों का उचित प्रयोग करते हुए एक–एक वाक्य बनाइए। 3
अर्द्धविराम, विस्मयसूचक चिह्न, निर्देशक चिह्न, अल्पविराम।
उत्तर :
अर्द्धविराम– (;) कड़ी मेहनत करो; परीक्षाएँ आने वाली है।
विस्मयसूचक चिन्ह्,– (!) अहा! आज तो घूमने में आनंद आ गया।
निर्देशक चिन्ह्,– (–) छात्र – मेरा नाम विकास है।
अल्पविराम– (,) सुनील, जरा इधर आना।

खण्ड–ग

(पाठ्य–पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक) 25

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 5

1. खरबूजें बेचने वाली स्त्री से कोई खरबूजे क्यों नहीं खरीद रहा था? 2
उत्तर : खरबूजे बेचने वाली स्त्री से कोई खरबूजे इसलिए नहीं खरीद रहा था, क्योंकि कल ही उसके जवान बेटे की मृत्यु हो गई थी। किसी की मौत पर तेरह दिन तक अछूत मानी जाती है। इस अछूत के कारण उससे कोई कुछ नहीं खरीद रहा था।
2. धर्म के व्यापार को रोकने के लिए क्या उपाय होना चाहिए? 2
उत्तर : धर्म के व्यापार को रोकने के लिए साहस और दृढ़ता के साथ चेतन रहकर कार्य करना चाहिए। धूर्त लोगों के षड्यंत्रों से बचना चाहिए।
3. पति–पत्नी ने मेहमान का स्वागत कैसे किया? 1
उत्तर : पति–पत्नी ने मेहमान का स्वागत स्नेह से भीगी मुस्कराहट के साथ किया। पत्नी ने सादर नमस्ते की।

9. पंजाब में फौजी शासन ने क्या कहर बरसाया ? 5

उत्तर : पंजाब के फौजियों द्वारा अधिकतर नेताओं को गिरफ्तार करके उनको कानून के तहत् उम्रकैद की सजाएँ, देकर कालापानी भेज दिया गया। लाहौर के मुख्य राष्ट्रीय दैनिक पत्र 'ट्रिब्यून' के सम्पादक श्री कालीनाथ राय को 10 साल की जेल की सजा मिली। पीड़ितों के दल अत्याचारों की कहानियाँ बताने के लिए लगातार गांधीजी के सामने उमड़ते रहते थे।

अथवा

हिमपात किस तरह होता है और उससे क्या–क्या परिवर्तन आते हैं ?

उत्तर : हिमपात के दौरान बर्फ छोटे–छोटे खंडों के रूप में गिरती है। इससे ग्लेशियर के बहने से बर्फ में हलचल हो जाती है जिससे बड़ी–बड़ी बर्फ की चट्टानें तत्काल गिर जाया करती हैं तथा अन्य कारणों से भी अचानक प्रायः खतरनाक स्थिति पैदा हो जाती है। इससे सीधे धरातल पर दरार पड़ जाती है। यह दरार गहरे–चौड़े हिम विदर में बदल जाती है।

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 5

1. हमें अपना दुःख दूसरों पर क्यों प्रकट नहीं करना चाहिए? अपने मन की व्यथा दूसरों से कहने पर उनका व्यवहार कैसा हो जाता हैं? 2
उत्तर : संसार में दूसरे के दुःख का मजाक उड़ाया जाता है इसलिए अपना दुःख अपने में रखना चाहिए। किसी अन्य के सामने अपना दुखड़ा रोने से दुःख का समाधान नहीं मिलता है।
2. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। 2
दुनिया में बादशाह है सो है वह भी आदमी
और मुफलिस–ओ–गदा है सो है वह भी आदमी
उत्तर : कवि कहता है कि संसार में सभी प्रकार के आदमी होते हैं। कुछ लोग बादशाह होकर राज करते हैं तथा कुछ लोग होते हैं जिनका जीवन हमेशा दरिद्रता में बीतता चला जाता है।
3. 'नए इलाके में' कविता में कवि क्या खोजता है? 1
उत्तर : इस कविता में कवि अपने पुराने पीपल के पेड़ को खोजता है। इसके अलावा वह अपने टूटे हुए पुराने घर को खोजता है।

11. विकास के नाम पर नित नए निर्माण से कवि की परेशानी का कारण बताइए। 5

उत्तर : कवि का कहना है कि वह विकास के नाम पर हो रहे नए निर्माणों से परेशान है, क्योंकि हर रोज नया हो रहा है। इससे पहला वाला दृश्य नजर नहीं आता है जिसे ढूँढ़ना मुश्किल हो जाता है। इस कारण उसे अपनी याददाश्त पर से भरोसा उठ गया है। अपने लक्ष्य तक पहुँचने के लिए उसके पास एकमात्र उपाय वह है कि वह हर दरवाजे को खटखटाकर पूछे। इसमें भी दिक्कत यह है कि बताने वाले के पास समय का अभाव है। हर व्यक्ति जल्दी में है। इन सभी कारणों से शहरी जीवन संवेदनहीन हो गया है।

अथवा

रहीम ने दान की महिमा किस प्रकार सिद्ध की है ?

उत्तर : कवि ने अपने दोहे में दान की महिमा को बताया है। सच्चा मनुष्य वह है, जो प्रसन्नता की दशा में धन–संपदा दान करने को तैयार हो जाता है। पशु का उदाहरण देते हुए कवि बताता है कि हिरण भी संगीत की तान सुनकर मुग्ध हो जाता है और शिकारी उसकी

मुग्धता का लाभ उठाकर उसका शिकार कर लेता है। इस प्रकार वह अपना शरीर देकर भी संगीत का आनंद लेता है। ऐसे ही कुछ कंजूस प्रसन्न होकर भी दान नहीं करते। वे पशु से बढ़कर होते हैं जो रीझकर भी धन नहीं देते।

12.'स्मृति' पाठ को पढ़ने के बाद किन-किन बाल सुलभ शरारतों के विषय में पता चलता है? 3

उत्तर : इस पाठ को पढ़ने के बाद निम्नलिखित बाल. सुलभ शरारतों के विषय में पता चलता है–

1. घर से छिपकर साथियों के साथ बेर तोड़कर खाना।
2. घर से बुलावा आने पर डरतें हुए पहुँचना।
3. मुसीबत में फँसने पर माँ को याद करना।
4. कुएँ, तालाब आदि में पत्थर फेंकना।
5. गलत कार्य होने पर उससे बचने के बेसिर पैर के रास्ते ढूँढ़ना।

अथवा

हामिद जैसे मुसलमानों की तक्षशिला में क्या नियति है?

उत्तर : तक्षशिला में हिन्दू–मुसलमानों के बीच सद्भाव नहीं है। यहाँ कोई भी हिन्दू लेखक की बातों को इतने गर्व के साथ किसी मुसलमान से नहीं कह सकता। हिन्दुओं की नजर में मुसलमान आततायियों की औलादें हैं। इस स्थिति में मुसलमानों को अपने–अपने सम्मान के लिए लड़ना पड. ़ता है। यही मुसलमानों की नियति है।

13.लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू क्या करता था? 2

उत्तर : लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू कभी पैरों तक आकर सर्र से परदे पर चढ़ जाता, फिर नीचे उतरता। वह तब तक ऐसे ही दौड़ते रहता, जब तक लेखिका उसे पकड़ने के लिए न उठती।

खण्ड–घ (लेखन) 25

14.निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80–100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 5

1. **युवकों का राष्ट्र निर्माण में योगदान।**
   • युवकों में नई सोच और नया जोश • राष्ट्र के भविष्य को बनाने वाले • समाज की बुराइयों को समाप्त करने वाले
2. **किसान हमारे जीवनदाता हैं।**
   • भारत में खेती और किसान • सादगी–पसंद, मेहनती लोग • गरीबी और पिछड़ापन • सुधार के उपाय।
3. **दूरदर्शन की उपयोगिता।**
   • दूरदर्शन– एक शक्तिशाली संचार माध्यम • ज्ञान एवं मनोरंजन • जनजागरण का माध्यम।

1. युवकों का राष्ट्र निर्माण में योगदान

युवक ही किसी देश की शक्ति माने जाते हैं। उनमें अत्यन्त जोश और उत्साह भरा होता है। वे अपने जीवन में कुछ करने की इच्छा से भी भरे होते हैं। जो भी व्यक्ति देश और समाज के लिए कुछ करते हैं, जवानी में ही करते हैं। चाहे महात्मा गांधी का उदाहरण हो या स्वामी विवेकानन्द का, इन सभी ने जवानी में ही संघर्ष करने की आदत डाल ली थी। हमारे देश ने आजादी भी अपनी युवा शक्ति के कारण ही पाई। आज भारत का भविष्य इसलिए भी सुरक्षित है, क्योंकि उसके पास विश्व में सर्वाधिक युवा हैं। युवकों में नया सोचने और करने की ताकत होती है। वे बुराइयों के खिलाफ प्रबल होकर लड़ सकते हैं। अतः किसी भी समाज या शासन में चल रही कुरीतियों को बदलने में युवाओं का सबसे अहम योगदान होता है।

2. किसान हमारे जीवनदाता हैं

भारत एक कृषि प्रधान देश है। यहाँ अधिकतर लोग ग्रामीण जीवन जीते हैं तथा खेती करते हैं। इन खेतों को आबाद करने वाले किसान बहुत साधारण जीवनयापन करते हैं। उनका जीवन बड़ा संघर्ष से भरा होता है। भारतीय किसान गरीबी में जीते है। उनके पास बहुत कम जमीन होती है। ये दिनभर मेहनत करके भरपेट खाना नहीं जुटा पाते। अधिकतर किसान निरक्षर है। अज्ञान के कारण वे अंधविश्वासों में आस्था रखते हैं। इस कारण वे परिवार को सीमित रखने का महत्त्व नहीं समझते। अज्ञानता के कारण ही व्यापारी वर्ग उनसे अधिक लाभ उठा लेता है। इससे उनकी दशा और भी अधिक खराब हो जाती है। इन सभी समस्याओं से उबारने के लिए आवश्यकता है कि किसानों के बच्चों को सस्ती शिक्षा दी जाए। उनके उत्पादन को अच्छे दामों पर बेचने का उचित प्रबन्ध किया जाए। ताकि किसान अपने आप को सुरक्षित महसूस कर सके।

3. दूरदर्शन की उपयोगिता

दूरदर्शन संचार के क्षेत्र में बहुत सशक्त संचार का माध्यम है। यह हमारे ज्ञान और मनोरंजन का स्रोत है। दूरदर्शन पर कई चैनल प्रसारित किए जा रहे हैं जो नई–नई जानकारियाँ लेकर सबके सामने उपस्थित होते हैं। इसमें शोध की जानकारी, समाचार, संगीत, और खेल से सम्बन्धित सम्पूर्ण खजाना भरा होता है। आप प्रत्येक पल में घटित होने वाली घटनाओं की जानकारी इसी से प्राप्त कर पाते हैं। इसके अलावा एक स्थान से दूसरे स्थान की संस्कृतियों और परम्पराओं का आदान–प्रदान कराने में भी दूरदर्शन ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। इससे लोग पहनने–ओढ़ने के तरीकों, खान–पान के नए प्रकारों को आसानी से अपना सकते हैं। दूरदर्शन जनजागरण का

सबसे मजबूत साधन बन गया है। दूरदर्शन के माध्यम से लोगों को नई सोच प्रदान होती है जो उन्हें सोच–विचार और बदलाव के लिए विवश कर देती है।

15.अपने विद्यालय में सम्पन्न हुए वार्षिकोत्सव के बारे में बताने के लिए पिताजी को एक पत्र लिखिए। 5

उत्तर :

परीक्षा भवन
जयपुर
दिनांक : 20 नवम्बर, 2019
पूजनीय पिताजी
सादर प्रणाम!

कई दिनों से आपका आशीर्वाद पत्र प्राप्त नहीं हुआ। मैं भी विद्यालय में व्यस्त होने के कारण आपकों पत्र नहीं लिख पाई, क्योंकि हमारे विद्यालय में वार्षिकोत्सव की तैयारियाँ चल रही थी। कल ही हमारे विद्यालय का वार्षिकोत्सव सम्पन्न हुआ। अतः आज मैंने सोचा कि आपको भी इसका विवरण लिखूँ।

इस बार हमारे विद्यालय का पन्द्रहवाँ वार्षिकोत्सव था। इस उपलक्ष्य में बहुत से रंगारंग कार्यक्रम सम्पन्न हुए। पहले दिन प्रेमचन्द के नाटक 'बड़े भाईसाहब' का मंचन किया गया। अगले दिन बच्चों के नृत्य, संगीत, मार्च–पास्ट, अभिनय आदि कार्यक्रमों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम को देखने के लिए लगभग दो से ढाई हजार दर्शक उपस्थित थे। उन्होंने सभी कार्यक्रमों की प्रशंसा की। कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण से हुआ, इसमें मुझे भी कुशल अभिनय के लिए प्रथम पुरस्कार दिया गया। हमारी कक्षा के कौशल राणा को लोकप्रिय विद्यार्थी की ट्रॉफी मिली। इस अवसर पर मैंने आप लोगों को बहुत याद किया। आप भी वहाँ उपस्थित होते तो मुझे बहुत अच्छा लगता।

मेरी पढ़ाई ठीक चल रही है। माताजी को मेरा सादर प्रणाम कहिएगा। रंजित को प्यार।

आपकी बिटिया
नेहा

अथवा

दादाजी की मृत्यु पर संवेदना देने के लिए अपने मित्र को एक संवेदना–पत्र लिखिए।

उत्तर :

परीक्षा भवन
दिल्ली
दिनांक : 20 जनवरी, 2020
प्रिय अभिषेक,

मुझे अनिता से तुम्हारे दादाजी के आकस्मिक निधन का समाचार मिला। सुनकर बहुत दुःख हुआ। अभी एक माह पहले जब मैं उनसे मिला था तब तो वे स्वस्थ थे, लेकिन अचानक उनका देहान्त होना बहुत दुःखद है। कितना कठिन है यह सोचना और विश्वास करना कि दादाजी अब हमारे बीच में नहीं रहे। मित्र हम सब बहुत दुःखी हैं, लेकिन इस कटु सत्य के सामने सभी को झुकना पड़ता है।

इस क्षति को सहन करना बहुत कठिन है। फिर भी तुम्हें धैर्य से काम लेना होगा। अपने माता–पिता का हौसला बढ़ाने का काम तुम्हें ही करना है। अब तुम भी समझदार हो गए हो इसलिए इस दुःख की घड़ी में धैर्य से काम लेना।

तुम्हारा मित्र
पंकज

16.दिए गए चित्र का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए। 5

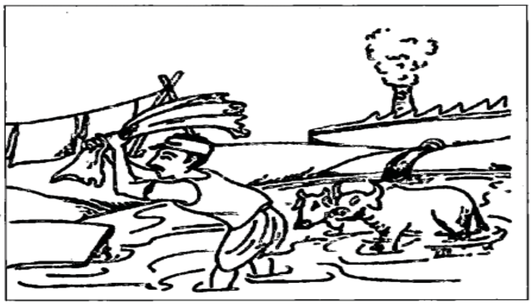

उत्तर : प्रस्तुत चित्र में जल प्रदूषण का दृश्य दिखाया गया है। नदी में एक व्यक्ति कपड़े धो रहा है। कुछ जानवर पानी में नहा रहे हैं। नाले का गंदा पानी भी नदी में ही गिर रहा है। पूरी नदी में गंदगी की जा रही है।

अथवा

उत्तर : यह एक बगीचे का चित्र है। बगीचे में मालीजी फूलों को पानी दे रहे हैं। कुछ बच्चे खेल रहे हैं। बगीचा बहुत सुन्दर हैं, वहाँ फव्वारा भी लगा हुआ है। पौधों पर फूल लगे हुए हैं और पेड़ फलों से लदे हुए हैं।

17.सुबह योगाभ्यास के लाभों के बारे में बातचीत करते हुए दो मित्रों का संवाद लिखिए। 5

उत्तर :

राजेश– मोहन, क्या तुम्हें पता है कि योग अभ्यास से हम स्वस्थ और निरोग रह सकते हैं।

मोहन– हाँ, लेकिन मुझे योग के बारे में अधिक जानकारी नहीं है।

राजेश– अरे, इसमें कौन–सी कठिनाई है! आजकल तो आप टेलीविजन, यू ट्यूब या सोशल मीडिया से तमाम जानकारियाँ ले सकते हैं।

मोहन– हाँ संजय, लेकिन मुझे यह बताओं कि क्या तुम्हें कोई लाभ हुआ योग करने से?

राजेश– हाँ मित्र, चोट लगने के बाद मेरी कमर में दर्द रहता था। लेकिन चिकित्सक ने मुझे कुछ योग आसनों के बारे में बताया। इनकों पन्द्रह दिन करने के बाद अब मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूँ। इसके अलावा कुछ योग अभ्यास ऐसे है जिन्हें मैं नियमित करता हूँ। इनसे हमारा शरीर दिनभर तरोताजा रहता है।

मोहन– अब तो मैं भी नित्य योगाभ्यास किया करूँगा।

अथवा

बाढ़ के भयानक दृश्य पर दो लोगों की बातचीत को एक संवाद के रूप में लिखिए।

उत्तर :

वीरेन्द्र– अरे धीरज, क्या तुमने कल खो नदी में आई बाढ़ को देखा!

धीरज– हाँ, एक बार तो उस बाढ़ को देखकर ऐसा लग रहा था मानो कोई राक्षस अपने मुँह को खोले हुए हमारी ओर बढ़ रहा है। हम सभी लोग बुरी तरह डर गए।

वीरेन्द्र– सच कहा तुमने, हमारे तो मोहल्ले के कई घरों में बाढ़ का मलबा घुस गया था। अगर थोड़ी देर और बारिश होती तो शायद स्थिति भयानक बन जाती।

धीरज– मैंने समाचारों में देखा कि पहाड़ी इलाकों में कई जगह जमीन खिसकने और मलबा आने से रास्ते बंद हो गए हैं। वे लोग तो बहुत परेशानी का सामना कर रहे होंगे।

वीरेन्द्र– हाँ मित्र, ऐसी प्रभावित जगहों पर हमारी सेना के जवान और समाजसेवी लोग बहुत सहायता करते हैं।

18. **खेल का सामान बेचने के लिए एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।** 5

उत्तर :

खेल बाजार स्टोर

आपके हर खेल का सामान,
अब एक ही दुकान पर उपलब्ध

चले आइये, आपकी अपनी दुकान में

सम्पर्क
खेल बाजार स्टोर,
दरियागंज, दिल्ली

अथवा

किसी कवि सम्मेलन के लिए समाचार–पत्र में प्रकाशित होने वाला एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर :

विराट कवि सम्मेलन

भारत के सुविख्यात कवियों द्वारा काव्य पाठ
विद्यासागर कॉलेज, बस्सी
दिनांक : 17 नवंबर, 2019
सायं 6 बजे से 9 बजे तक

आमंत्रित कविगण
सुनील जोगी करण सिहं
जयशंकर प्रसाद, जावेद अख्तर

WWW.CBSE.ONLINE

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online